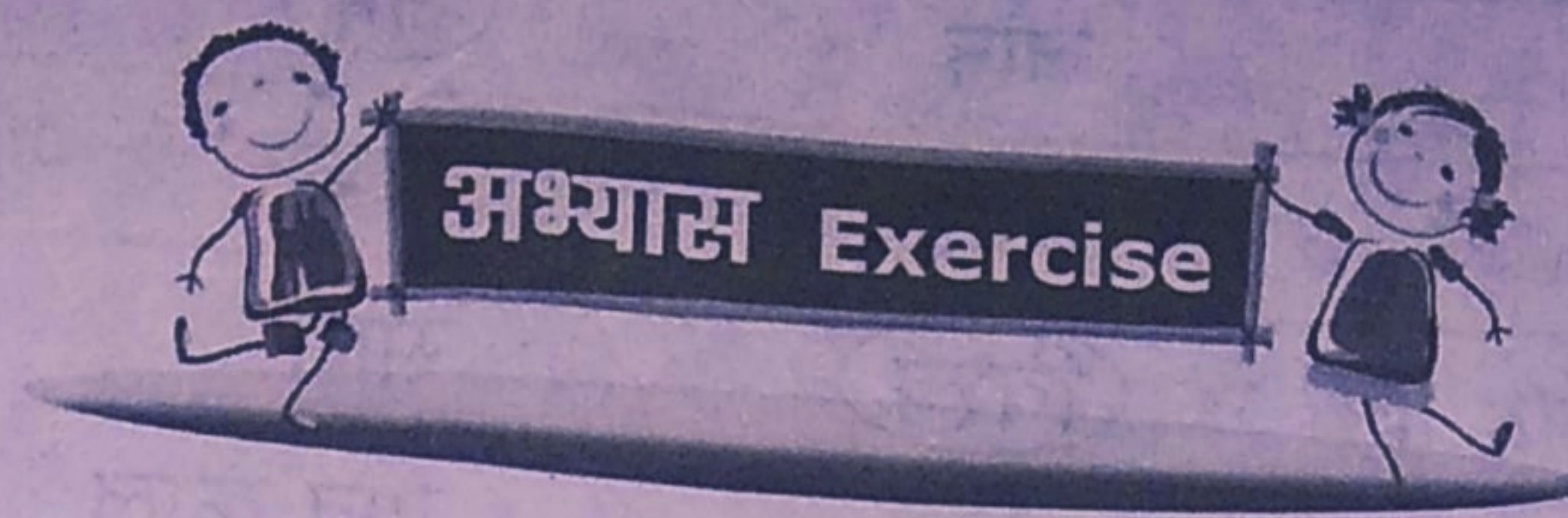




पाठ-बोध

1. प्रश्नों के उत्तर दें—

● मौखिक (Oral)

- i) कवि उन सभी कार्यों का प्रेमी बनने की कामना कर रहा है जो लोक-कल्याण से संबंधित हैं।
- ii) कवि जीवन में शक्ति पाकर, निर्भय होकर अन्याय और बुराइयों का सामना करना चाहता है।
- iii) कवि भय, संदेह और अंधविश्वास से मुक्त होना चाहता है।
- iv) 'प्रकाश' से कवि का तात्पर्य 'ज्ञान और सत्य' है।

● लिखित (Written)

- i) 'मिल जाएँ जिसमें अखिल व्यक्ति' द्वारा कवि आशा करता है कि उसके लोक-कल्याण के कार्यों में सभी लोग उसका साथ दें।
- ii) कवि मानव का कल्याण ऐसे ज्ञान की प्राप्ति में मान रहा है जिससे भय, शंका और अंधविश्वासों से मुक्ति मिले।
- iii) कवि प्रभु से अमर दान मानव कल्याण के लिए पाना चाहता है अर्थात् वह ऐसी क्षमता पाना चाहता है जिससे संसार की समस्त बुराइयों को समाप्त किया जा सके।
- iv) कविता का मूलभाव देखें।

कविता का मूलभाव

इस कविता में कवि मानव-हित की कामना तथा लोक-कल्याण की भावना मन में लिए यह चाहता है कि वह ऐसा प्रकाश बने जो राग-द्वेष, अंधविश्वास, संशय और बुराइयाँ दूर कर सके। कवि ईश्वर से वरदान माँग रहा है कि वह उसे इतना सामर्थ्य दे कि वह अपनी कल्पना को साकार कर मानव-कल्याण कर सके अर्थात् ऐसा सवेरा ला सके जिसमें सभी सुखी हों।

2. काव्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर ✓ लगाएँ—

i) कवि कैसा दान पाना चाहता है? ☒ अमर

ii) विहान का अर्थ है— ☒ सवेरा

व्याकरण-बोध

1. विशेषण-विशेष्य के जोड़े बनाएँ—

अखिल विश्व

नव विहान

अमर दान

अद्भुत सौंदर्य

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम लिखें—

दानव × मानव

अंधकार × प्रकाश

तुच्छ × महान

असत्य × सत्य

मृत × जीवित

पुरातन × नूतन

संध्या × प्रभात

विश्वास × अविश्वास

3. प्रत्येक पंक्ति में जो शब्द समानार्थक नहीं है उसपर ○ लगाएँ—

मानव	इनसान	दानव	मनुष्य
जीवन	प्राण	जान	जन
संशय	निश्चय	संदेह	शक
अखिल	संपूर्ण	विश्व	सारा
विहान	वायु	भोर	प्रातःकाल

4. शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखें—

पाण —प्राण....

सौंदर्य —सौंदर्य....

शक्ति —शक्ति....

सत्य —सत्य....

भक्ती —भक्ति....

वीहान —विहान....

प्रकाश —प्रकाश....

विस्व —विश्व....

5. उदाहरण के अनुसार प्रश्न बनाएँ—

i) हमें जीवन में शक्ति मिले।

....हमें जीवन में क्या मिले?....

ii) मैं प्रकाश बन सकूँ।

....मैं क्या बन सकूँ?....

iii) विश्व में नवजीवन का विहान ला सकूँ।

....विश्व में क्या ला सकूँ? / कहाँ नवजीवन का विहान ला सकूँ?....

iv) पानी प्यासे को चैन देता है।

....पानी किसे चैन देता है? / प्यासे को क्या चैन देता है?....

